अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान, मैसूरु

संस्थान द्वारा प्रदान की जाने वाली नैदानिक सेवाएँ

+91-0821 2502000 /2502100

director@aiishmysore.in

CONTACT US

सामग्री विकास और डिजाइन
सामग्री विकास विभाग

द्वारा संपादित
डॉ। एशोदा के.
वाक् विज्ञान में सह–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष – सामग्री विकास

मुख्या संपादक
प्रो एम। पुष्पावती
निदेशक
अखिल भारतीय वाक् और श्रवण संस्थान

वर्ष: 2020-21
SH/DMD/Content dev. /2020-21
Rv. No.01/2022/23

अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान

भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत 1966 में स्थापित अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान,पिछले पांच दशकों में शीघ्रता से उँचाइयों को छूने की कोशिश कर रहा है। संचार विकृतियों के क्षेत्र में जनशक्ति विकास, अनुसंधान, नैदानिक सेवाओं और सार्वजनिक शिक्षा पर काम करने के लिए संस्थान ने एक लंबा सफर एक मिशन के साथ शुरू किया है।जब हम इस लंबी सतत यात्रा को देखते हैं,तो हम पाते हैं कि संस्थान ने असंख्य मील के पत्थर सृजित किये हैं। लेकिन,अभी भी अधिक चुनौतियां और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना है।

अनुसंधान और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने में दक्षिण पूर्व एशिया में एक अग्रणी संस्थान होने की वजह से,इसने संप्रेषण विकृतियों के क्षेत्र में अनेक कीर्तिमान सृजित किये हैं। संस्थान में सम्प्रेषण विकारों वाले व्यक्तियों के उपचार की दिशा में एक बहु–विषयक टीम दृष्टिकोण है।

संस्थान ने हाल ही में अपने दायरे का विस्तार किया है तथा सम्प्रेषण विकारों पर व्यापक शोध करने के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की है। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में इसका उद्घाटन किया।

दृष्टि: मानव संसाधन का विकास करना,आवश्यकता आधारित अनुसंधान का संचालन करना, नैदानिक सेवाओं में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना,संप्रेषण विकृतियों के क्षेत्र में जागरूकता और अनिवार्य शिक्षा का निर्माण करने के लिए एक विश्वस्तरीय संस्थान बनना।

मिशन: संप्रेषण विकृतियों के क्षेत्र में वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी,नैतिक रूप से संपन्न मानव संसाधन, वास्तविक शिक्षा, मूल अनुसंधान,नैदानिक सेवाओं और सार्वजनिक जागरूकता को बढ़ावा देने,बनाए रखने और प्रदान करने के लिए।

नैदानिक सेवाएं

संस्थान संचार विकारों वाले व्यक्ति के लिए मूल्यांकन और प्रबंधन सेवाएं प्रदान करता है। उन्हें इस प्रकार बांटा जा सकता है:

बच्चों में वाक् दोष विकृतिः वाक् के विकास में विलंब, क्लेफ्ट लिप एवं पैलेट,प्रवाह की समस्याएं जैसे हकलाना,कुछ ध्वनियाँ जैसे रा / सा / उत्पन्न करने में कठिनाई

बच्चों में भाषा विकृतिः श्रवण हानि, भाषा के विकास में विलंब, बौद्धिक अक्षमता,आत्मकेंद्रित,सीखने की विकलांगता,अंगाघात, एप्राक्सिया।

व्यस्कों में वाक् भाषा दोष विकृतिः डिसरथ्रिया, एप्राक्सिया, अफ़ेज़िया, डिस्फैज़िया, डिमेंशिया और अन्य स्थितियां। लोग प्रत्यक्ष रूप से संस्थान में या टेली मोड के माध्यम से नैदानिक सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। विभिन्न विभाग और विशेष नैदानिक क्लिनिक संप्रेषण विकृतियों वाले व्यक्तियों की सेवा में योगदान दे रहे हैं।

संस्थान द्वारा प्रदान की जाने वाली नैदानिक सेवाएँ

- संस्थान में नैदानिक सेवाएँ
- विस्तार/ आउटडोर सेवाएँ और
- टेली सेवाएँ

संस्थान में नैदानिक सेवाएं

संस्थान अच्छी तरह से राज्य के अत्याधुनिक कला प्रौद्योगिकी से लैस है जो संप्रेषण विकृतियों वाले व्यक्तियों के इलाज के लिए आवश्यक है। लोग सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रत्यक्ष रूप से संस्थान आ सकते हैं। सप्ताह के सभी कार्य दिवसों में श्रवण विज्ञानी,वाक्–भाषा दोष विज्ञानी उपलब्ध हैं।

मुख्य नैदानिक सेवाएं

ऑडियोलॉजिकल मूल्यांकन और प्रबंधन: श्रवण हानि की उपस्थिति या अनुपस्थिति,और व्यापकता, प्रकार और श्रवण हानि के संभावित कारण का निदान करने के लिए प्रत्येक क्लाइंट के लिए एक विस्तृत श्रवण मूल्यांकन किया जाता है। बाद में,क्लाइंट को या तो चिकित्सा प्रबंधन के लिए सिफारिश की जाती है या आवश्यक ऑडिलॉजिकल प्रबंधन की जाती है। फिर क्लाइंट का व्यवस्थित रूप से मूल्यांकन किया जाएगा और/ या तो श्रवण यंत्र का उपयोग करने,प्रत्यारोपण उपकरण के उपयोग / श्रवण प्रशिक्षण के लिए सिफारिश की जाएगी।

वाक् और भाषा मूल्यांकन और प्रबंधन: संस्थान वाक् और भाषा विकृतियों वाले व्यक्तियों को मूल्यांकन और चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करता है। यहाँ बच्चों और वयस्कों में देखी जाने वाली वाक् भाषा विकृतियों का पूरा आकलन किया जाता और सेवार्थियों की जरूरतों के अनुसार उचित उपचार प्रदान किया जाता है।

अन्य विशेषज्ञों के साथ परामर्श: यहाँ ऑडीओलॉजिकल वाक् भाषा, नैदानिक, मनोवैज्ञानिक, ईएनटी, और फिजियो/ औक्यूपेशनल थेरेपी सेवाएं सप्ताह के सभी कार्य दिवसों में उपलब्ध हैं।संस्थान में परामर्श सेवाएँ भी हैं जहाँ प्लास्टिक सर्जन,बाल रोग विशेषज्ञ,न्यूरोलॉजिस्ट,ऑर्थोडॉन्टिस्ट,और प्रोस्थोडॉन्टिस्ट और डायटीशियन जैसे विशेषज्ञ भी सप्ताह में एक बार उपलब्ध रहते हैं। सेवार्थी एक छत के नीचे विशिष्ट दिनों में विशेषज्ञों से मिल सकते हैं,और विशेष परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।

विशेष शिक्षा सेवाएं: विशेष आवश्यकताओं (2 ½-6 वर्ष) वाले बच्चों के लिए विशेष शिक्षा विभाग विकसित किया गया है। पूर्व–शैक्षणिक कौशल और गुणवत्ता शिक्षा से जोड़कर यह संप्रेषण विकृतियों वाले बच्चों को शैक्षणिक मुख्यधारा के अंतिम लक्ष्य की ओर प्रयास करता है। इसमें स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए भी विशेष कार्यक्रम हैं, जो विभाग से स्नातक होने के बाद मुख्यधारा के स्कूलों में प्रवेश लेते हैं।

विस्तृत/आउटरीच सेवाएं

संस्थान की नैदानिक सेवाओं को संप्रेषण विकृतियों की प्रारंभिक पहचान और प्रबंधन के लिए संप्रेषण विकृति रोकथाम विभाग के माध्यम से गांवों तक विस्तारित किया गया है। यह विशेष विभाग, मैसूरू शहर और उसके आसपास के अस्पतालों में ऑडियोलॉजिस्ट,वाक् भाषा दोष विज्ञानी और ई.एन.टी विशेषज्ञ की सेवाएं प्रदान करता है। यह संप्रेषण विकृतियों के लिए स्क्रीनिंग सेवाओं को भी शामिल करता है जिसमें शामिल हैं:

- नए जन्मज़ात स्क्रीनिंग
- प्री–स्कूल / स्कूली बच्चों की स्क्रीनिंग
- औद्योगिक श्रमिकों के लिए श्रवण स्क्रीनिंग
- बुजुर्ग नागरिकों की स्क्रीनिंग
- संप्रेषण विकृति की पहचान के लिए शिविर
- संज्ञानात्मक, संप्रेषण और निगलने वाले विकृतियों की स्क्रीनिंग
- प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (पी.एच.सी.)केंद्रों की जांच

टेली सेवाएं

'पहुंच–रहितों तक पहुँचने'के उद्देश्य से, जिन्हें वाक् और श्रवण की समस्याओं के लिए प्रत्यक्ष सेवाओं का लाभ उठाने में कठिनाई होती है, 'टेली सेंटर' की स्थापना की गई। सूचना और प्रौद्योगिकी के हाल विस्तार को अपनाते हुए,संस्थान टेली मोड के माध्यम से सेवाएं प्रदान करता है। टेली सेंटर, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली के माध्यम से देश भर के प्रमुख अस्पतालों से जुड़ा हुआ है।

टेली सेवाएं उपलब्ध हैं

- संप्रेषण विकृतियों का मूल्यांकन और प्रबंधन के लिये
- संप्रेषण विकृतियों वाले बच्चों के शिक्षा मार्गदर्शन करने के लिये
- संबंधित विषयों से जनता और अन्य पेशेवरों की संवेदनशीलता और शिक्षा के लिये
- हेल्पलाइन के माध्यम से पार्किंसंस रोग और अन्य स्थिति वाले व्यक्ति का मूल्यांकन और प्रबंधन के लिये

संस्थान में विशेष चिकित्सालय

संस्थान में संप्रेषण विकृतियों की पहचान करने और विशेष पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए कई चिकित्सालय/ इकाइयां और पेशेवरों की प्रशिक्षित टीम है।

वे हैं:

- संवर्धित और वैकल्पिक संप्रेषण (ए ए सी) इकाई
- आटिस्म स्पेक्ट्रम विकृति (ए एस डी) इकाई
- श्रवण प्रशिक्षण इकाई (एल टी यू)
- इंप्लांटेबल श्रवण यंत्र इकाई
- प्रवाह इकाई
- पेशेवर आवाज़ देखभाल इकाई (पी वी सी)
- संरचनात्मक ओरो फेशियल अनोमलि यूनिट (यू–एस ओ एफ ए)
- मोटर वाक् विकृति (एम एस डी) वाले व्यक्ति के लिए विशेष क्लिनिक

- स्वर क्लिनिक
- भाषा विकृति वाले वयस्क और बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए क्लिनिक (सी ए ई पी एल डी)
- वर्टिगो क्लिनिक
- लर्निंग डिसेबिलिटी क्लिनिक
- न्यूरोसाइकोलॉजी यूनिट
- डिस्फेजिया

संस्थान की नैदानिक सेवाओं का लाभ कैसे उठाएं?

- नाममात्र की राशि देकर पंजीकरण करें।
- आपको एक गुलाबी कार्ड के साथ मामले का संख्या/मिसिल संख्या प्रदान किया जाएगा।
- समस्या से संबंधित सभी प्रासंगिक विवरणों को मामला का मिसिल में प्रलेखित किया जाएगा।
- समस्या की विस्तृत जाँच के बाद परामर्श कराया जाएगा।
- पुनर्वास के लिए नियत नियुक्ति।
- मामले की मिसिल संस्थान के पास रहेगी।
- अनुवर्ती कार्रवाई और आगे के परीक्षण के लिए अपनी मामले का मिसिल तक पहुँचने के लिए जारी किए गए गुलाबी कार्ड का उपयोग करें।

संस्थान में ऑनलाइन अपॉइंटमेंट की सुविधा भी है, जो वेबसाइट (www.aiishmysore.in) पर एक लिंक के माध्यम से उपलब्ध है।

कार्य–समय: सोमवार से शुक्रवार सुबह कार्य–समय बजे से शाम 5.30 बजे तक (केंद्र सरकार की छुट्टियों को छोड़कर)

विशेष क्लीनिक की झलकियां

यदि हमारा संस्थान संप्रषण विकृति के इलाज के लिए आपकी पसंद है, तो आप सही जगह पर हैं।

अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान, मैसूरु

मानसगंगोत्री, मैसूरु

(स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्थान,
भारत सरकार)

@AIISHMYSORE1 AIISH Mysuru AIISH MYSURU AIISH Mysuru